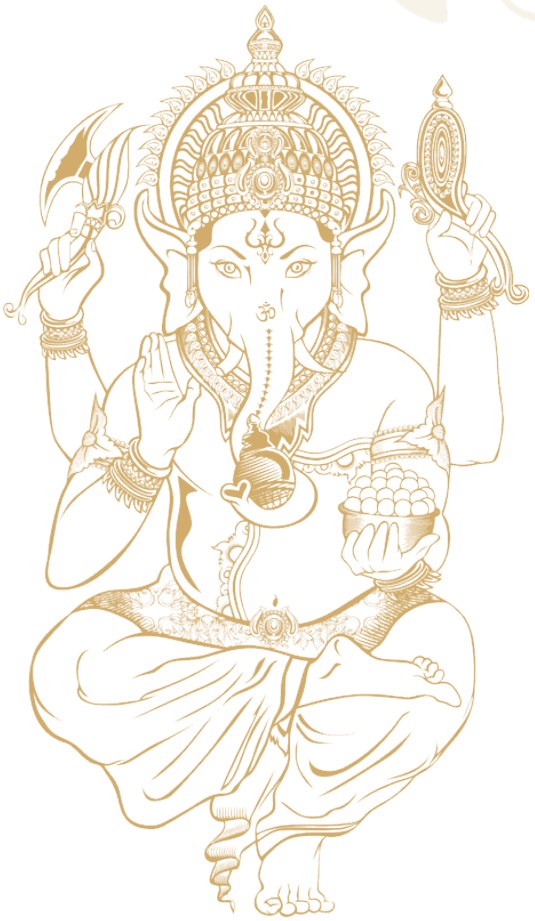

Shalini Kumari

08 Nov 1999

01:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121161104

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**7-08/11/1999**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**01:00:00 घंटे**
इष्ट	47:28:10 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:10:00 घंटे
वेलान्तर	00:16:23 घंटे
साम्पातिक काल	04:16:14 घंटे
सूर्योदय	06:00:44 घंटे
सूर्यास्त	17:06:31 घंटे
दिनमान	11:05:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	21:05:17 तुला
लग्न के अंश	12:42:10 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	आयुष्मान
करण	नाग
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तनुजा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	12:42:10	323:19:04	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			तुला	21:05:17	01:00:14	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			तुला	17:12:18	12:08:35	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			धनु	22:09:06	00:44:57	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध	व		वृश्चि	07:19:52	00:24:53	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु	व		मेष	04:05:58	00:07:25	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	04:47:39	01:03:06	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि	व		मेष	19:44:58	00:04:51	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	13:48:12	00:14:16	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	13:48:12	00:14:16	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:06:53	00:00:48	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:54:29	00:00:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	15:32:00	00:02:10	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			वृष	12:05:35	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:02

लग्न-चलित

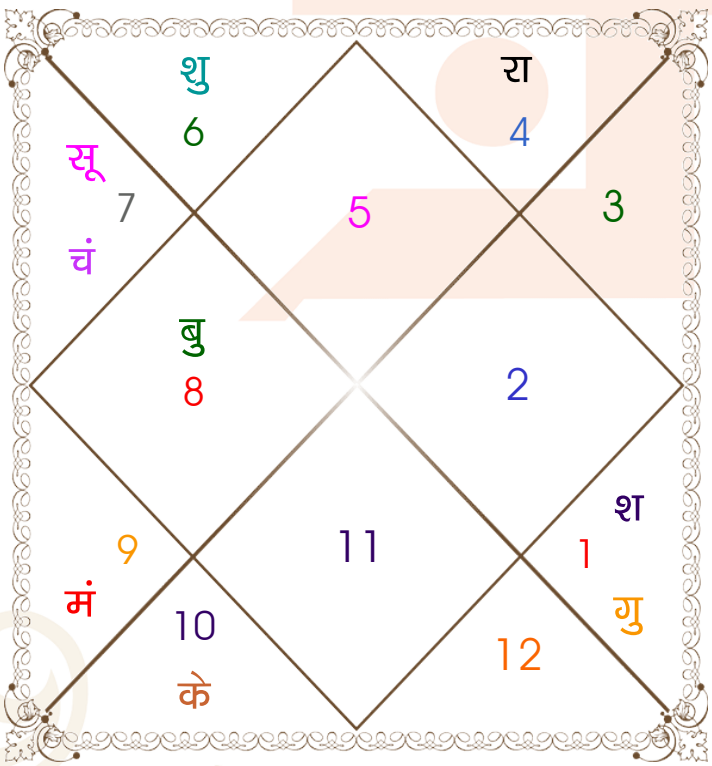

चन्द्र कुंडली

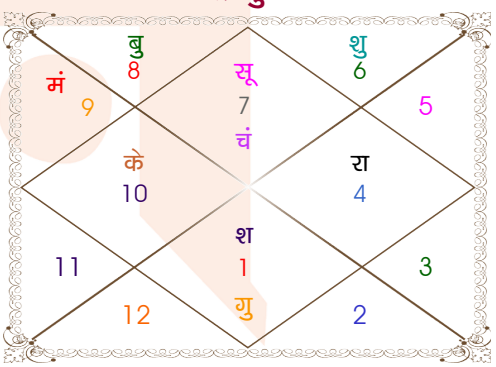

नवमांश कुंडली

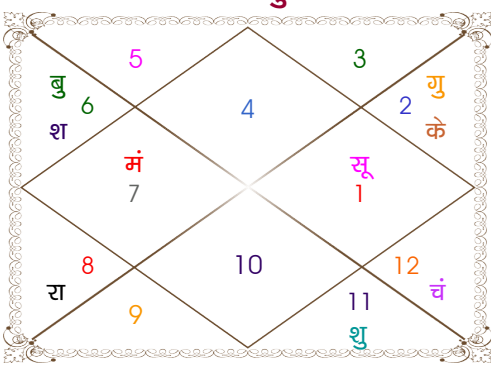

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 3 वर्ष 9 मास 8 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/11/1999		17/08/2003		17/08/2019		16/08/2038		17/08/2055	
17/08/2003		17/08/2019		16/08/2038		17/08/2055		16/08/2062	
	00/00/0000	गुरु	04/10/2005	शनि	19/08/2022	बुध	12/01/2041	केतु	13/01/2056
	00/00/0000	शनि	16/04/2008	बुध	29/04/2025	केतु	09/01/2042	शुक्र	14/03/2057
	00/00/0000	बुध	23/07/2010	केतु	07/06/2026	शुक्र	09/11/2044	सूर्य	20/07/2057
	00/00/0000	केतु	29/06/2011	शुक्र	07/08/2029	सूर्य	16/09/2045	चंद्र	18/02/2058
	08/11/1999	शुक्र	27/02/2014	सूर्य	20/07/2030	चंद्र	15/02/2047	मंगल	17/07/2058
शुक्र	05/03/2000	सूर्य	16/12/2014	चंद्र	18/02/2032	मंगल	12/02/2048	राहु	04/08/2059
सूर्य	27/01/2001	चंद्र	16/04/2016	मंगल	29/03/2033	राहु	01/09/2050	गुरु	10/07/2060
चंद्र	29/07/2002	मंगल	23/03/2017	राहु	03/02/2036	गुरु	07/12/2052	शनि	19/08/2061
मंगल	17/08/2003	राहु	17/08/2019	गुरु	16/08/2038	शनि	17/08/2055	बुध	16/08/2062

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/08/2062		16/08/2082		16/08/2088		16/08/2098		17/08/2105	
16/08/2082		16/08/2088		16/08/2098		17/08/2105		00/00/0000	
शुक्र	16/12/2065	सूर्य	04/12/2082	चंद्र	16/06/2089	मंगल	13/01/2099	राहु	29/04/2108
सूर्य	16/12/2066	चंद्र	05/06/2083	मंगल	15/01/2090	राहु	31/01/2100	गुरु	23/09/2110
चंद्र	16/08/2068	मंगल	10/10/2083	राहु	17/07/2091	गुरु	07/01/2101	शनि	30/07/2113
मंगल	16/10/2069	राहु	03/09/2084	गुरु	15/11/2092	शनि	16/02/2102	बुध	16/02/2116
राहु	16/10/2072	गुरु	22/06/2085	शनि	17/06/2094	बुध	13/02/2103	केतु	06/03/2117
गुरु	17/06/2075	शनि	04/06/2086	बुध	16/11/2095	केतु	12/07/2103	शुक्र	09/11/2119
शनि	16/08/2078	बुध	11/04/2087	केतु	16/06/2096	शुक्र	10/09/2104		00/00/0000
बुध	16/06/2081	केतु	17/08/2087	शुक्र	15/02/2098	सूर्य	16/01/2105		00/00/0000
केतु	16/08/2082	शुक्र	16/08/2088	सूर्य	16/08/2098	चंद्र	17/08/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 3 वर्ष 9 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगी। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगी, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगी।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगी। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगी।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति की महिला है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगी। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगी। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगी। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेती हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगीं। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगी।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेती हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करती हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करती हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगी। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगी तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग की भुक्त भोगी होंगी। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।